शनिवार

07 मार्च 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 42
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

प्रेमी-प्रेमिका ने एक दूसरे को मारा चाकू

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में अपराधों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस क्रम मे आज सुबह विवाद के चलते प्रेमी-प्रेमिका ने एक दूसरे को चाकुओं से गोद कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है।

मामला क्लेमनटाउन क्षेत्रांर्तगत ओगल भट्टा का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना क्लेमेंटाउन पुलिस को सूचना मिली कि ओगल भट्टा क्षेत्र में एक युवक तथा युवती के मध्य हुए विवाद में दोनो के द्वारा एक दूसरे को चाकू से वार कर घायल कर दिया है। उक्त सूचना पर थाना क्लेमेंटाउन से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा, जहाँ पहले से ही एक एम्बुलेंस खडी थी। मौके पर घटना के सम्बन्ध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि दोनो घायल युवक/युवती क्लेमेंटाउन स्थित एक निजि शिक्षण संस्थान में एमसीए प्रथम वर्ष के छात्र है तथा उनका काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था पर पिछले कुछ समय से युवती के किसी अन्य युवक के सम्पर्क में आने के कारण आज उन दोनो के मध्य इस बात को लेकर विवाद तथा आपसी कहासुनी हो गयी, जिसके चलते दोनो के द्वारा चाकू से एक दूसरे पर वार करने से दोनो घायल हो गये, जिन्हे पुलिस द्वारा उपचार हेतु एम्बुलेंस के माध्यम से दून अस्पताल भिजवाया गया, जहां वर्तमान में दोनो उपचाराधीन हैं।

धामी सरकार के चार सालः केन्द्रीय गृह मंत्री ने किया कई परियोजनाओं का लोकार्पण

संवाददाता

देहरादून। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने धामी सरकार के चार साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में 427 करोड की परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार के चार साल पूरे होने चार साल बेमिसाल कार्यक्रम का हरिद्वार के वैरागी द्वीप में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 427 करोड की योजनाओं का लोकार्पण किया। धामी सरकार ने समान नागरिक संहिता, सख्त नकलरोधी कानून, जबरन धर्मांतरण रोकथाम कानून, दंगारोधी कानून, भू-कानून, नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन, उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक,

अग्निवीरों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का फैसला लिया है। इसकी झलक प्रदर्शनी में दिखायी गयी जिसका केन्द्रीय मंत्री ने अवलोकन किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जॉलीग्रान्ट एयरपोर्ट पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का देवभूमि में आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि 2026 में बंगाल में भाजपा सरकार बनाने जा रही है, इसके बाद 2027 की शुरुआत उत्तराखंड देवभूमि से होगी। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। अमित शाह धामी सरकार के चार साल पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रमों में शिरकत करने के लिए हरिद्वार पहुंचे हैं। अमित शाह करीब 4 घंटे हरिद्वार में बिताएंगे। इस दौरान वे भाजपा कोर कमेटी की बैठक में भी शामिल होंगे और 2027 के चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज उत्तराखंड के हरिद्वार दौरे पर हैं। पुष्कर सिंह धामी सरकार के 4 साल पूरे होने पर हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में वे शामिल हो रहे हैं। अमित शाह के कार्यक्रम के लिए राज्य भर से बीजेपी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी हरिद्वार पहुंचे हैं। धामी सरकार को 23 मार्च को 4 साल पूरे हो रहे हैं। इस दौरान सरकार के चार साल पूरे होने पर विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

भारत में अब ट्रंप सरकार?

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी जंग को अब एक सप्ताह का समय होने जा रहा है। इस जंग के कारण मध्य पूर्व एशियाई देशों के साथ-साथ यूरोपीय देशों में भी तेल और गैस का संकट दिनों दिन गंभीर होता जा रहा है। बढ़ते एनर्जी संकट के लिए अब विश्व के तमाम देश अमेरिकी प्रशासन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। तथा राष्ट्रपति ट्रंप को निशाने पर लिए हुए हैं। ईरान ने वह रास्ता रोक दिया है जहां से तेल की सप्लाई होती थी। इसका असर कम से कम देश की अर्थव्यवस्था पर पड़े इसके उपाय तलाशते हुए अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा चंद लाइन का नोट भारत को जारी करते हुए उसे 30 दिन के लिए अल्पकालीन मोहलत देते हुए रूस से तेल खरीदने की छूट देने की बात कही गई है। साथ ही उसने इसकी मॉनिटरिंग करने की बात भी कही है। अमेरिका की इस मोहलत को देश की वर्तमान सरकार अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित कर रही है लेकिन विपक्ष ने अमेरिका कि इस मोहलत को मोदी का सरेंडर बता कर जबरदस्त हमला बोला जा रहा है। अमेरिका के दबाव में भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया और अमेरिका के मोहलत देने पर फिर तेल खरीदने को तैयार हो जाता है। इसका सीधा मतलब क्या होता है इसे कोई भी अनजान व्यक्ति भी आसानी से समझ सकता है कि भारत नें अपनी मौलिक स्वायत्तताओं को खो दिया है अब अमेरिकी प्रशासन और राष्ट्रपति ट्रंप यह तय करेंगे कि भारत किस देश से क्या खरीद सकता है और क्या नहीं खरीद सकता? जब सब कुछ अमेरिका को ही तय करना है जैसा अभी भारत-पाक के बीच ऑपरेशन सिंदूर के समय ट्रंप के आदेश पर सीज फायर का फैसला किया गया था इस फैसले को उस समय भी विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोला था। प्रधानमंत्री मोदी को यह चुनौती दी थी कि संसद में एक बार ट्रंप को लेकर कह कर दिखायें कि युद्ध विराम ट्रंप का फैसला नहीं है भारत सरकार का था मगर आज तक इसका साहस सरकार नहीं जुटा सकी है। भारत ने अमेरिका के साथ ट्रंप के टैरिफ वार के बीच जो डील साइन की गई जिसमें सब कुछ अमेरिका को दिया गया है, लिया कुछ नहीं गया है तथा भारत के कृषि क्षेत्र को भी अमेरिका के लिए खोला गया उसे लेकर भी तमाम सवाल तो है मगर सरकार के पास उन सवालों का कोई जवाब नहीं है। ऐसे में अगर यह मान लिया जाए कि देश के पीएम ट्रंप के सामने सरेंडर कर चुके हैं तो इसमें कोई शक की गुंजाइश भी कहां शेष बचती है। रूस से तेल खरीदने की मोहलत देने और साथ ही यह भी कहना कि वह चीन के साथ की गई गलती को भारत के साथ दोहराकर उसे मजबूत बनने का मौका नहीं देगा। यह साफ करता है कि अमेरिका भारत का कभी न हितैषी था और न ही हितैषी हो सकता है। रही बात चीन की तरक्की की तो यह उसने अपनी मेहनत और अच्छी नीतियों के कारण की है यह अलग बात है कि ट्रंप को अपना बेस्ट फ्रेंड बताने वाले पीएम मोदी व वर्तमान सरकार ऐसा कोई कमाल करने की कुब्बत नहीं रखती है उनकी ऐसी कुछ कमजोरियां ट्रंप के पास हैं जिसके कारण ही ट्रंप खुल्लम-खुल्ला यह कहते हैं कि वह मोदी का राजनीतिक कैरियर मिनटों में खत्म कर सकते हैं। बात चाहे जो कुछ भी हो यह देश के लिए शर्मसार करने वाली स्थिति है। इसके दूरगामी परिणाम किसी भी स्थिति में भारत के लिए अच्छे नहीं हो सकते हैं।

भारतीय न्याय संहिता जैसे नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तराखंड देश में पहले स्थान पर

संवाददाता

देहरादून। भारतीय न्याय संहिता जैसे नए कानून के प्रभावी क्रियान्वयन करने में उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बना।

आज यहां भारत की न्यायिक और कानून प्रवर्तन प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित करते हुए, उत्तराखंड ने इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (सीजेएस) 2.0 के राष्ट्रीय कार्यान्वयन में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, यह गौरवपूर्ण उपलब्धि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी मार्गदर्शन और तकनीक-आधारित न्याय प्रणाली के उनके संकल्प का प्रतिफल है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम सीसीटीएनएस/आईसीजेएस प्रोग्रेस डैशबोर्ड के अनुसार, उत्तराखंड ने 93.46 के उत्कृष्ट स्कोर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पांच राज्यों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा है, जिसमें उत्तराखंड 93.46 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर है, जिसके बाद हरियाणा 93.41 के स्कोर के साथ दूसरे, असम 93.16 के स्कोर के साथ तीसरे, सिक्किम 91.82 के स्कोर के साथ चौथे और मध्य प्रदेश 90.55 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर काबिज है। उत्तराखंड की यह सफलता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व और निरंतर निगरानी का परिणाम है। नए कानूनों-भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)-को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री ने स्वयं कमान संभाली। मुख्यमंत्री धामी ने शासन के शीर्ष अधिकारियों से लेकर जनपद स्तर के फील्ड अधिकारियों के साथ निरंतर समीक्षा बैठकें कीं। इस टॉप-टू-बॉटम मॉनिटरिंग के कारण ही तकनीकी बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सका और पुलिस विभाग नए कानूनी ढांचे के अनुरूप स्वयं को ढालने में सफल रहा।

उत्तराखंड की इस उपलब्धि का आधार आईसीजेएस 2.0 की वन डेटा, वन एंट्री प्रणाली है। इसके तहत पुलिस (सीसीटीएनएस), ई-कोर्ट, ई-जेल, ई-अभियोजन और ई-फॉरेंसिक के बीच डेटा का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित किया गया है। एक बार डेटा दर्ज होने के बाद वह सभी संबंधित विभागों को तुरंत उपलब्ध हो जाता है, जिससे कागजी कार्रवाई कम हुई है और मुकदमों के निस्तारण में तेजी आई है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई-साक्ष्यश ऐप के माध्यम से अपराध स्थल की वीडियोग्राफी और डिजिटल साक्ष्यों का सुरक्षित संग्रहण अनिवार्य किया गया है। व्यापक प्रशिक्षण: प्रदेश के 23,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को नए कानूनों की बारीकियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। तकनीकी सुदृढ़ीकरण: न्याय श्रुति के माध्यम से वर्चुअल अदालती सुनवाई और फॉरेंसिक मोबाइल वैन की उपलब्धता को प्राथमिकता दी गई। उत्तराखंड पुलिस के प्रवक्ता और पुलिस महानिरीक्षक (अपराध एवं कानून व्यवस्था)सुनील कुमार मीणा ने इस रैंकिंग की पुष्टि करते हुए कहा कि राज्य ने तकनीकी बुनियादी ढांचे को लागू करने के साथ-साथ रीयल-टाइम डेटा एंट्री में भी रिकॉर्ड स्थापित किया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उच्च स्तरीय बैठकों में उत्तराखंड की इस वन डेटा, वन एंट्री कुशलता की विशेष रूप से सराहना की है। इस समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ उत्तराखंड आज देश के लिए स्मार्ट पुलिसिंग का आदर्श मॉडल बनकर उभरा है।

पुलिस ने सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा के लगाये साइन बोर्ड

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने आम नागरिकों को यातायात के नियमों व सडक सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए साइन बोर्ड लगाये।

आज यहां आम नागरिकों में यातयात नियमों व सडक सुरक्षा के प्रति जागरुकता बढाने के उद्देश्य तथा चारधाम यात्रा-2026 के मध्यनजर पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में यातायात पुलिस उत्तरकाशी की टीम द्वारा उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय तथा गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात साइन बोर्ड व होर्डिंग लगाये गये। यातायात के नियम, ट्रैफिक सिग्नल व संकेत, सडक सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य तथा बेहद उपयोगी हैं। दोपहिया वाहन पर हेलमेट व चारपहिया वाहन पर हमेशा सीटबेल्ट पहनें। ट्रैफिक सिग्नलों और संकेतों का पालन करें। वाहन को निर्धारित गति सीमा में ही चलाएं, तेज गति दुर्घटना का मुख्य कारण है। नशे की हालत मे वाहन न चलाएं; यह कानूनन अपराध है। ड्राइविंग करते समय चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें। 18 वर्ष से कम उम्र के नाबालिग को वाहन देना अपराध है।

वैध खनन से भरी राज्य की झोली, खनन विभाग ने तोड़े सभी रिकॉर्ड

हमारे संवाददाता

देहरादून। अवैध खनन के जरिए काली कमाई के किस्से अक्सर चर्चा में रहते हैं और इसके लिए व्यवस्था को भी कठघरे में खड़ा किया जाता रहा है। लेकिन इस बार खनन की "खन-खन" राज्य के लिए अच्छी खबर लेकर आई है। उत्तराखंड के खनन विभाग ने राजस्व प्राप्ति के मामले में नया इतिहास रच दिया है।

वित्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए खनन विभाग को 950 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य दिया गया था। विभाग ने फरवरी 2026 तक ही 965 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर लिया है। यानी वित्तीय वर्ष समाप्त होने से एक महीने पहले ही लक्ष्य को पार कर लिया गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा रफ्तार को देखते हुए वित्तीय वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा करीब 1100 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। खनन विभाग की इस उपलब्धि को राज्य में खनन प्रबंधन में किए गए सुधारों और तकनीकी निगरानी व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम माना जा रहा है। विभाग ने पिछले कुछ समय में खनन गतिविधियों की निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम, खनन पट्टों की डिजिटल ट्रैकिंग, वाहनों की निगरानी और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई जैसे कदमों से न सिर्फ अवैध गतिविधियों पर लगाम लगी है बल्कि राजस्व संग्रहण भी बेहतर हुआ है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार खनन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया और सख्त निगरानी के कारण राजस्व में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। सरकार की मंशा भी यही रही है कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग नियमों के तहत किया जाए और उससे राज्य को अधिकतम राजस्व प्राप्त हो सके। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी खनन विभाग का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा था। उस वर्ष विभाग को 875 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया था, जबकि विभाग ने 1041 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर सभी को चौंका दिया था। उस समय यह राज्य के इतिहास में खनन विभाग द्वारा अर्जित किया गया अब तक का सर्वाधिक राजस्व था। लेकिन चालू वित्तीय वर्ष में विभाग उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ने की ओर बढ़ रहा है।

राजस्व के लिहाज से खनन विभाग की यह उपलब्धि राज्य सरकार के लिए भी राहत भरी मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इसी तरह पारदर्शिता और तकनीकी निगरानी व्यवस्था जारी रही तो आने वाले वर्षों में खनन से होने वाली आय में और बढ़ोतरी हो सकती है।

जर्मनी और श्रीलंका के कृषि विशेषज्ञ और शोधार्थी पहुंचे हेंवलघाटी

नई टिहरी(आरएनएस)। आईआईटी रुड़की में कृषि विज्ञान के विभाध्यक्ष प्रो. आशीष पांडेय के मार्गदर्शन में जर्मनी और श्रीलंका के कृषि विशेषज्ञ, प्रोफेसर और शोधार्थी छात्रों का एक दल बीज बचाओ आंदोलन की जानकारी लेने जड़धार गांव पहुंचा। दल के सदस्यों ने नागणी हेंवल घाटी में स्थित बीज बचाओ आंदोलन के प्रणेता विजय जड़धारी से खेत में जाकर मुलाकात की। टीम ने हेंवलघाटी के चिपको आंदोलन, खनन विरोधी आंदोलन और बीज बचाओ आंदोलन के बारे में जानकारी हासिल की। हेंवलघाटी पहुंचे जर्मनी के केल विवि की प्रो. निकोला परहर ने उत्तराखंड की पारंपरिक, टिकाऊ, जैविक और बारहनाजा की मिश्रित खेती, पशुपालन और जंगल संरक्षण के तौर- तरीकों को समझते हुए यहां के किसानों का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि दुनिया को स्वस्थ रखने और पर्यावरण पारिस्थितिकी को बचाने के इस संदेश को वह अपने देश के लोगों और छात्रों को पढ़ाएगी। इसी तरह पड़ोसी देश श्रीलंका के रूटुना विवि के प्रो. विक्रमाची और डॉ. हेंगमा लियांग ने कहा कि बीज बचाओ आंदोलन टिकाऊ खेती के लिए विविध तरह के बीजों का संरक्षण और जैविक पद्धतियों का जो काम कर रहा है, वह सिर्फ भारत के लिए नहीं पूरी दुनिया के भविष्य का संदेश है। आईआईटी रुड़की के विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष पांडेय ने बताया कि बीज बचाओ आंदोलन की विविधता का खजाना पारंपरिक बीजों का संकलन और धरातल पर खेती के प्रयोग को देखते हुए उसका लाभ शोधार्थियों तक कैसे पहुंचे इस कार्य में मदद करने का प्रयास कर रहे हैं।

नहर टूटी, खेतों की नहीं हो पा रही सिंचाई

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। ग्राम पंचायत बांसी के मोल्दा तोक में नहर क्षतिग्रस्त होने से 22 परिवारों के खतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि एक सप्ताह में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे। क्षेत्र पंचायत सदस्य बिपेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में काश्तकारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने बताया कि धारी फिटर फर्स्ट नहर में चल रहे पुनर्निर्माण कार्य के कारण बांसी की दोनों नहरें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इससे खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा और फसलें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना किसानों से राय-मशविरा किए कार्य शुरू किया गया जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त कृषि भूमि पर वर्तमान में नियमित रूप से खेती की जाती है लेकिन नहरों के क्षतिग्रस्त होने से खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। काश्तकार मनवर सिंह रावत, धर्मेंद्र सिंह रावत, यशवंत सिंह रावत, पंचम सिंह रावत ने कहा कि यदि एक सप्ताह में समस्या का समाधान नहीं किया गया तो काश्तकार आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इधर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता खुशवंत सिंह चौहान ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे।

धुएं से आंखों में हो रही जलन, सांस लेने में दिक्कत

चमोली(आरएनएस)। जंगलों में आग से वन संपदा तो नष्ट हो रही है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ रहा है। आंखों में जलन के साथ सांस के रोगियों को दिक्कत हो रही है। आंखों में जलन की दिक्कत के साथ कुछ लोग अस्पताल भी पहुंचे। बदरीनाथ और केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग के जंगलों में अलग-अलग जगहों पर तीन दिनों से आग लगी है। ऐसे में पूरे क्षेत्र में आग का धुआं फैला हुआ है। इससे लोगों को आंखों में जलन के साथ सिर में दर्द हो रहा है। उप जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित के अनुसार दो लोग आंखों में जलन और सिददर्द की समस्या लेकर अस्पताल आए। कहा कि आग से वातावरण में कार्बन मोनो ऑक्साइड फैल जाता है। इसलिए आंखों में जलन होने पर साफ पानी से आंखें धोएं, जलन अधिक होने पर ठंडे पानी की सिकाई करें, सांस के रोगी सामान्य मास्क का प्रयोग करें, दिक्कत अधिक होने पर चिकित्सकीय परामर्श लें।

छोटी सावधानियां भी बड़े हादसों को रोक सकती हैं

नई टिहरी(आरएनएस)। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भागीरथीपुरम में चार से 10 मार्च तक 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया है। इसकी थीम सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़ें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं रखी गई है। बताया गया कि छोटी सावधानियां भी बड़े हादसों को रोक सकती हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टीसी) एमके सिंह ने सुरक्षा ध्वज का झंडारोहण किया। उन्होंने सभी कार्मिकों को सुरक्षा सप्ताह की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी कार्मिकों को सुरक्षा बैच वितरित किए। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह हमें अपने कार्यस्थल और दैनिक जीवन में सुरक्षा के महत्व को समझने और उसे अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष का विषय सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़ें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं, हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित नहीं है बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी संस्थान की प्रगति तभी संभव है जब वहां कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के तहत सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अग्नि सुरक्षा से कार्यस्थलों पर बचाव एवं नियंत्रण विषयक प्रशिक्षण आदि का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा) बीडी सेमवाल, अपर महाप्रबंधक (ओएंड एम) भगत सिंह, अपर महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) आनंद बाजपेई, अपर महाप्रबंधक (नियोजन) विपिन सकलानी, अपर महाप्रबंधक संजय पंवार, उप महाप्रबंधक (एचआर) मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) हरीश भट्ट आदि मौजूद थे।

17 लाख से अधिक लाभार्थियों ने उठाया आयुष्मान योजना का लाभः डॉ. रावत

देहरादून(आरएनएस)।सूबे में आयुष्मान योजना के अंतर्गत अबतक 17 लाख से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। जिस पर राज्य सरकार द्वारा 3300 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि खर्च की जा चुकी है। प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के तहत राज्य में 25 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड बनाये गये हैं। उक्त योजना के तहत 11000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों द्वारा मुफ्त उपचार का लाभ उठाया गया है।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि आम लोगों के स्वास्थ्य को लेकर राज्य सरकार संजीदा है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं की आसान उपलब्धता के कारण अधिक से अधिक लोग विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। यही वजह है कि राज्य में अबतक 17 लाख से अधिक मरीजों ने आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क उपचार कराया है, जिस पर सरकार ने 3300 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च कर दी है। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा जनपद में 57862 लाभार्थियों ने योजना के तहत मुफ्त उपचार कराया। इसी प्रकार बागेश्वर में 25133, चमोली 66005, चम्पावत 33274, देहरादून 418295, हरिद्वार 321509, नैनीताल 159242, पौड़ी 130701, पिथौरागढ़ 58786, रूद्रप्रयाग 39989, टिहरी 99191, ऊधमसिंह नगर 281995 तथा उत्तरकाशी में 55882 लाभार्थियों ने निःशुल्क उपचार कराया। डॉ० रावत ने बताया कि आयुष्मान योजना के अलावा राज्य व स्वायतशासी निकायों के कार्मिकों व पेंशनरों के लिये राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना संचालित की जा रही है। जिसके अंतर्गत 4 लाख से अधिक लाभार्थियों ने कैशलेस उपचार का लाभ उठाया है। जिसमें 1.73 लाख लोगों ने आईपीडी व 2.31 लाख लोगों ने ओपीडी की कैशलेस सुविधाएं ली। उन्होंने बताया कि इस सुविधा पर सरकार द्वारा 641 करोड़ की धनराशि खर्च की जा चुकी है। विभागीय मंत्री ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत राज्य में 57 लाख जबकि एसजीएचएस के तहत 5 लाख से अधिक कार्ड बनाये जा चुके हैं। इसके अलावा 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के 25 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदना योजना के तहत कार्ड बनाये गये हैं। जिसके तहत 11000 लाभार्थियों ने मुफ्त उपचार का फायदा उठाया है। उक्त योजना पर सरकार ने करीब 30 करोड़ से अधिक की धनराशि व्यय की है। डॉ० रावत ने कहा कि आयुष्मान योजना के सूचीबद्ध अस्पतालों में सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को भी निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। दुर्घटना में घायलों के उपचार हेतु 1.50 लाख रुपये तक की कैशलेस सुविधा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से दी जा रही है, जो पीड़ितों के लिए बड़ी राहत है।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

ऋषिकेश(आरएनएस)। ऋषिकेश एम्स के कैंसर चिकित्सा एवं रुधिर विज्ञान विभाग में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों का सम्मान किया गया। कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं सह आचार्य डॉ. अमित सहरावत ने विभाग में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्मिकों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। गुरुवार को एम्स में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सहरावत ने कहा कि सम्मान परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का प्रतिफल होता है। कहा कि सम्मान प्राप्त करने वाले लोगों की बेहतर कार्य करने को लेकर प्रतिबद्धता एवं जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं, क्योंकि सम्मानित व्यक्ति से परिवार व समाज की अधिक अपेक्षाएं होती हैं। डॉ. सहरावत ने कहा कि उत्कृष्टता की कोई सीमा नहीं होती, निरंतर सीखना, सीखे हुए को समाज में क्रियान्वित करना, स्वयं का आंकलन करना और बेहतर करने का प्रयास ही प्रगति का मार्ग है। उन्होंने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को एक अच्छे कर्मचारी व जिम्मेदार नागरिक की विशेष पहचान बताया।

बजट सत्र के दौरान गैरसैंण में भारी वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

चमोली(आरएनएस)। गैरसैंण के भराड़ीसैंण में होने वाले बजट सत्र के दौरान वहां दिन के समय भारी वाहनों का अवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस ने सत्र के दौरान होने वाली गहमा गहमी को देखते हुए यह निर्णय लिया और इसके लिए तैयारी पूरी कर ली। भराड़ीसैंण में नौ मार्च से 13 मार्च तक बजट सत्र प्रस्तावित है। सत्र के दौरान किसी तरह की कोई समस्या न हो इसके लिए पुलिस तैयारियों में जुटी है। सत्र के दौरान गैरसैंण में वीआईपी वाहन, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ मीडिया का जमावड़ा लगेगा। साथ ही इस दौरान रैलियां भी होंगी। इसको देखते हुए पुलिस ने सत्र की अवधि (नौ से 13 मार्च) तक गैरसैंण-भराड़ीसैंण क्षेत्र में भारी वाहनों का आवागमन बंद रखा है। एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि सुबह सात से रात आठ बजे तक गैरसैंण में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में यदि कोई अपना निजी सामान मंगवा रहे हों तो वे कर्णप्रयाग-सिमली, ग्वालदम मार्ग का प्रयोग कर सकते हैं। गैरसैंण के आसपास के लोग रात्रि के समय सामान मंगवा सकते हैं। दिन के समय भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

सत्र के दौरान पेयजल की कोई दिक्कत न हो इसके लिए जलसंस्थान के अधिकारी और कर्मी भराड़ीसैंण में डेरा डाले हैं। यहां ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों के लिए पानी के 17 टैंकर लगाए गए हैं। जलसंस्थान सहायक अभियंता दिनेश पुरोहित अपने अधीनस्थ कर्मियों के साथ विस परिसर में डटे हैं। हालांकि विधानसभा भवन, विधायक और मंत्री आवास सहित अधिकारियों के आवास पर पेयजल की सुविधा है लेकिन इसके अलावा बाहर ड्यूटी देने वाले सुरक्षा कर्मियों एवं अन्य कर्मियों के लिए अस्थायी रूप से पेयजल व्यवस्था में विभाग जुटा है। जलसंस्थान के अधिशासी अभियंता मुकेश कुमार ने बताया कि विधानसभा सत्र के लिए 17 टैंकर लगाए गए हैं जबकि कर्मियों के आवासीय व्यवस्था, शौचालय सहित अन्य जगह अस्थायी लाइनें बिछाई जा रही है। सत्र से पहले चयनित सभी जगह पर पेयजल आपूर्ति सुचारु कर दी जाएगी।

एसआरएचयू में मॉडर्न बायोलॉजी पर चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

ऋषिकेश(आरएनएस)। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) जौलीग्रांट के स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज में चार सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। मॉडर्न बायोलॉजी एडवांस्ड मॉलिक्यूलर टूल्स फॉर हेल्थकेयर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

स्कूल ऑफ बायोसांइसेज में आयोजित समापन समारोह की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय पीडीपी ट्रेनर मंजू नौटियाल ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, नई सोच के साथ आगे बढ़ने और अपने कार्य में ईमानदारी और नैतिकता बनाए रखने की बात कही। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी, जिससे प्रतिभागियों को नई तकनीकों को समझने का अवसर मिला।

स्कूल ऑफ बॉयोसाइंसेज के डीन डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से प्रायोजित चार सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में छह अलग-अलग संस्थानों से आए 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक मॉलिक्यूलर तकनीकों, बायोइन्फॉर्मेटिक्स टूल्स और प्रयोगशाला में काम करने का प्रायोगिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही वैज्ञानिक लेखन, शोध की नैतिकता और डेटा विश्लेषण जैसे विषयों पर भी सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें नई तकनीकों और प्रयोगशाला कार्य की अच्छी समझ मिली।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर डीन डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. निक्कू यादव, डॉ. गीता भंडारी, डॉ. विकास जादौन, डॉ. नूपुर जोशी आदि उपस्थित रहे।

राजमा से दुनियाभर में बनाए जाते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन, एक बार जरूर चखें इनका स्वाद

राजमा एक पौष्टिक और स्वादिष्ट फली है, जो भारतीय खान-पान में बहुत ही लोकप्रिय है। यह कई व्यंजनों की मुख्य सामग्री रहता है और उनके पोषण मूल्य को बढ़ा देता है। राजमा का उपयोग केवल भारतीय रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इससे कई अनोखे और स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जाते हैं। आइए आज हम आपको राजमा से बनाए जाने वाले 5 अनोखे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो आपको जरूर पसंद आएंगे।

राजमा पंजाब का एक प्रसिद्ध व्यंजन है, जो अपने खास मसालों और स्वाद के लिए जाना जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को प्याज, टमाटर, अदरक-लहसुन के पेस्ट और गरम मसाला के साथ पकाया जाता है। इसे नान या चावल के साथ परोसा जाता है। इस सब्जी का स्वाद इतना बेहतरीन होता है कि एक बार खाने के बाद आप इसका स्वाद कभी भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ नींबू कस रस और प्याज परोसना न भूलें।

राजमा तामाल मेक्सिको का एक पारंपरिक व्यंजन है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को प्याज, लहसुन, हरी मिर्च और अन्य मसालों के साथ पकाया जाता है। इसके बाद इस मिश्रण को मक्के के आटे में भरकर भाप में पकाया जाता है। यह व्यंजन बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है, जिसे सभी उम्र के लोग पसंद करते हैं। इसे आप घर पर भी आसानी से बना सकते हैं।

राजमा का सूप जापान में पसंद किया जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को सोया सॉस, मिर्च के पाउडर और अन्य जापानी मसालों के साथ पकाया जाता है। इस सूप में सब्जियां भी डाली जा सकती हैं, जैसे गाजर, मटर और शिमला मिर्च आदि। यह सूप ठंड के मौसम में पीने के लिए बहुत ही अच्छा रहता है। इसका स्वाद इतना बेहतरीन होता है कि इसे पीने के बाद आप तरोताजा महसूस करेंगे।

राजमा की टिक्की भारत का एक लोकप्रिय नाश्ता है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को दही, बेसन और मसालों के साथ मिलाकर टिक्कियां तैयार की जाती हैं। इसके बाद इस टिक्कियों को तवे या एयर फ्रायर पर सेंका जाता है। यह नाश्ता बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है, जिसे जिम जाने वाले लोग भी बिना चिंता के खा सकते हैं। इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

राजमा बर्गर ऑस्ट्रेलिया का एक अनोखा व्यंजन है, जो बच्चों का पसंदीदा होता है। इसमें उबले हुए राजमा को ब्रेड के टुकड़े, प्याज, लहसुन और अन्य मसालों के साथ मिलाकर पैटी तैयार की जाती है। इस पैटी को तवे पर सेंका जाता है और ब्रेड या बंद पर रखकर खाया जाता है। यह बर्गर सेहतमंद होने के साथ-साथ बहुत ही स्वादिष्ट भी होता है। इसमें चीज और सब्जियां भी लगाई जाती हैं, जो इसके स्वाद को बढ़ा देती हैं।

दरवाजों और खिड़कियों में दरारें आ गई हैं? इन तरीकों से उन्हें करें ठीक

घर की सजावट और देखभाल करना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। खासकर अगर बात दरवाजों और खिड़कियों की हो तो इनकी सही देखभाल न केवल उनके जीवनकाल को बढ़ाती है, बल्कि घर की सुंदरता को भी बनाए रखती है। अक्सर घरों में दरवाजों और खिड़कियों में दरारें आ जाती हैं, जिससे वे कमजोर होकर टूट सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन दरारों को आसानी से ठीक कर सकते हैं।

लकड़ी की दरारें ऐसे करें ठीक- लकड़ी के दरवाजे-खिड़कियों पर दरारें अक्सर मौसम के बदलाव या नमी के कारण आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले दरार के अंदर सफाई करें। इसके बाद दरार में लकड़ी वाली गोंद डालें और उसे सूखने दें। सूखने के बाद दरार को रेगमाल से चिकना करें और फिर उसी रंग के पेंट से रंगें। इससे खिड़की और दरवाजे पहले जैसा दिखने लगेंगे। इससे न केवल दरारें ठीक होंगी, बल्कि दरवाजे या खिड़की भी सुंदर लगेंगे।

धातु की दरारें ठीक करने का तरीका- धातु की दरारें आमतौर पर दरवाजों के हैंडल या हिंग पर आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से पर जंग हटाने वाला पेस्ट लगाना चाहिए। इसके बाद उसे अच्छे से रगड़ें, ताकि सफाई भी हो जाए। अब दरार वाले हिस्से पर जंगरोधी स्प्रे लगाएं, ताकि जंग न बढ़े। अंत में उस हिस्से पर नया पेंट लगाएं या उसे चमका लें, ताकि वह पहले जैसा दिखे और जंग लगने की संभावना कम हो जाए।

कांच की दरारें कैसे ठीक होंगी?- आमतौर पर खिड़कियों के कांच पर दरारें आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से को साफ करना चाहिए। इसके बाद दरार पर खास कांच की मरम्मत करने वाला पेस्ट लगाएं और उसे अच्छे से फैला लें। कुछ घंटों तक इसे सूख जाने दें। सूखने के बाद दरार पर नया चमकाने वाला स्प्रे लगाएं, ताकि वह पहले जैसा दिखे और मजबूत बना रहे। इससे न केवल दरारें ठीक होंगी, बल्कि खिड़की साफ भी दिखने लगेगी।

प्लास्टिक की दरारें कैसे ठीक करें?- प्लास्टिक की दरारें ठीक करना भी आसान काम होता है। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से को साफ कर लें। इसके बाद दरार पर खास प्लास्टिक की मरम्मत करने वाला पेस्ट लगाएं और उसे अच्छे से फैलाएं। कुछ घंटों तक इसे सूखने दें। सूखने के बाद दरार पर नया पेंट या सीलेंट लगाएं, ताकि वह पहले जैसा दिखे और मजबूत बना रहे। इन सरल तरीकों से आप अपने घर की देखभाल कर सकते हैं।

यूट्यूब से कमाई का बुलबुला फूट रहा

हरिशंकर व्यास

भारत में तीन दशक पहले डिजिटल क्रांति आई तो भारत कंप्यूटर और इंटरनेट का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना। वैसे ही डेढ़ दशक पहले सोशल मीडिया की क्रांति हुई तो भारत उसका भी सबसे बड़ा बाजार बना। भारत में अभी फेसबुक, यूट्यूब, गूगल आदि के सबसे ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। इसी तरह दो साल पहले जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की क्रांति हुई उसका भी सबसे बड़ा बाजार भारत बन गया है। भारत में ओपन एआई का इस्तेमाल करने वाले सबसे ज्यादा लोग हैं। जिस तरह से भारत आईटी क्रांति और सोशल मीडिया क्रांति का बाजार बना है उसी तरह एआई क्रांति का भी बाजार बना है। लेकिन अब इस बाजार के डायनेमिक्स बदल रहे है।

अमेरिका की एआई कंपनियों ने मार्केटिंग की दिशा में अगला कदम बढ़ा दिया है। खबर है कि अब उनके एआई प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल मुफ्त नहीं होगा। पहले चरण में इसमें विज्ञापन इंट्रोड्यूस किए जा रहे हैं। एआई का कोई भी प्लेटफॉर्म खोलने पर विज्ञापन चलेगा। अगर किसी को विज्ञापन मुक्त सेवा लेनी है तो उसे सब्सक्रिप्शन लेना होगा। मार्केटिंग का यह तरीका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स द्वारा पहले से आजमाया जाने लगा है। प्रीमियम सर्विस के लिए पैसे देने होते हैं और मुफ्त सर्विस में विज्ञापन चलते हैं। इस विज्ञापन से अरबों डॉलर की कमाई होती है और वह पूरा पैसे अमेरिका जाता है। सोचें, विज्ञापन भारत के उत्पादों का होता है और उनके खरीदार भी भारत के लोग होते हैं। लेकिन उसका विज्ञापन करने वाला प्लेटफॉर्म विदेशी है। पहले विज्ञापन का प्लेटफॉर्म अखबार, पत्रिकाओं और टेलीविजन चैनलों का होता था। बाद में इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स शामिल हुए। धीरे धीरे उन्होंने बाजार पर कब्जा करना शुरू किया। सरकारों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विज्ञापन के नए नियम बनाए। आज विज्ञापन का सबसे ज्यादा हिस्सा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को जाता है। उसमें गूगल, यूट्यूब, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है।

ऐसा नहीं है कि इसका लाभ सिर्फ अमेरिकी कंपनियों ने उठाया। उन्होंने भारत के सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को कमाई का माध्यम भी उपलब्ध कराया। भारत में रील बनाना और डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई करना एक वैकल्पिक रोजगार बना। ऐसा रोजगार, जिसमें सरकारों की कोई भूमिका नहीं थी लेकिन पिछले ही साल बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्होंने डाटा इतना सस्ता कर दिया कि लाखों लोग डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई कर रहे हैं। उन्होंने रीलबाजी को एक रोजगार बताया। इतना ही नहीं इस साल जब मोदी की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया तो उसमें 15 हजार कंटेंट क्रिएशन लैब्स बनाने का प्रावधान किया । सोचें, दुनिया के सभ्य और विकसित देश इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी बनाने के लिए साइंस और टेक्नोलॉजी के लैब्स बना रहे हैं वही भारत में कंटेंट क्रिएशन के लैब बनने है!

परंतु इस रोजगार की राह भी अब मुश्किल हो गई है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने दर्शकों और पाठकों तक रीच घटाई है। साथ ही मोनेटाइजेशन को कम किया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर तो पहले भी कम पैसे मिलते थे लेकिन यूट्यूब वीडियोज से लोगों को अच्छी खासी कमाई होती थी। पहले तो इनकी पैरेंट कंपनी मेटा ने वीडियो की लंबाई और गुणवत्ता के आधार पर भुगतान के नए नियम बनाए। इसमें छोटे यानी शॉर्ट वीडियोज और रील्स के लिए भुगतान काफी कम कर दिया। लंबे वीडियो पर अगर दर्शक ज्यादा देर टिकता था तो उसमें ज्यादा भुगतान के नियम बने। इस तरह 30 सेकेंड, तीन मिनट या उससे ज्यादा, 10 मिनट या उससे ज्यादा और 30 मिनट या उससे ज्यादा की अवधि वाले वीडियो की श्रेणियां बनाई गईं। पहले ये कंपनियां अनापशनाप पैसे देती थीं। लेकिन बाद में 10 मिनट का वीडियो अगर 10 हजार लोग देखते हैं तो एक डॉलर का भुगतान होने लगा। अब इसे और कम कर दिया गया है। एक बहुत ही चर्चित और वस्तुनिष्ठ खबरें दिखाने वाले सोशल मीडिया जर्नलिस्ट का कहना है कि उनके लंबे वीडियो पर पांच लाख व्यूज के बावजूद तीन हजार रुपए मिल रहे हैं। जाहिर है अब यह स्वरोजगार भी संकट में है। ऐसा नहीं है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स व अमेरिकी कंपनियों की कमाई में कमी हुई है। उनका विज्ञापन का राजस्व बढ़ रहा है लेकिन अब वे इस राजस्व को शेयर करने के लिए तैयार नहीं हैं। तभी उन्होंने इन्फ्लूएंसर्स का पेआउट कम करना शुरू किया है। इस तरह यूट्यूब से कमाई का बुलबुला फूट रहा है। ऐप आधारित कैब सर्विसेज हों या ऐप आधारित फूड डिलीवरी की सेवा हो, इन सबमें पहले जिस तरह की कमाई होती थी वह भी बहुत कम हो गई है।

शब्द सामर्थ्य -064

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

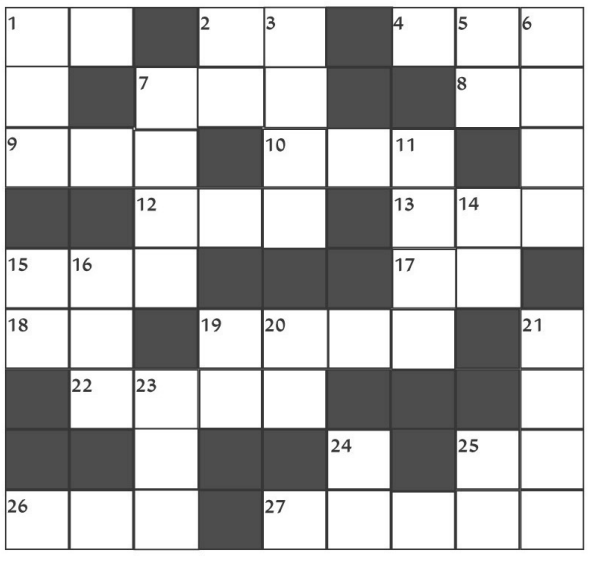

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 63 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

वर्चस्व बढ़ाने एवं गुटबाजी के लिए फायरिंग मामले में एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जान से मारने की नियत से तंमचे से फायरिंग करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस बरामद हुए है। आरोपी द्वारा आपसी रंजिश व वर्चस्व बढ़ाने के उद्देश्य से इस घटना को अजाम दिया गया था।

जानकारी के अनुसार बीती 5 मार्च को ग्राम नन्हेडा अनंतपुर में जान से मारने की नियत से तमंचे से फायरिंग कर मोहित निवासी-नन्हेडा अनंतपुर को गम्भीर रूप से घायल से सम्बन्धित प्रकरण में कोतवाली भगवानपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया था। फायरिंग से सम्बंधित उपरोक्त घटनाक्रम के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त हुई कि फायरिंग की घटना युवको के दो गुटों में आपसी रंजिश व वर्चस्व के फलस्वरूप घटित हुई है। अवैध शस्त्रों का प्रयोग करने व फायरिंग की घटनाओं को अंजाम देकर आम जनता में दहशत फैलाने वालो के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को दिए गए निर्देश के क्रम में कोतवाली भगवानपुर पुलिस ने ग्राम पुहाना क्षेत्र से दौराने चैकिंग उपरोक्त गुट से सम्बंधित वंशराज नामक युवक को देशी तमन्चे 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ ग्राम नन्हेडा से सरठेडी जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कुमाऊं की खड़ी होली में शामिल हुए जिलाधिकारी

❑ग्रामीणों की मांग पर लाइब्रेरी को दी स्वीकृति

हमारे संवाददाता

चम्पावत। जनपद के सुई स्थित आदित्य महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित काली कुमाऊं की पारंपरिक खड़ी होली कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों के साथ पारंपरिक होली गायन में सहभागिता कर क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति एवं परंपराओं को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के समक्ष गांव में लाइब्रेरी स्थापित किए जाने की मांग सहित अन्य समस्याओं के बारे में अवगत कराया। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही लाइब्रेरी स्थापना के लिए स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं एवं विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

उत्तराखंड के नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रशासन सतर्क

सूचना साझा करने हेतु जिला प्रशासन ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। वर्तमान में इजरायल और ईरान के मध्य चल रहे युद्ध जैसे हालातों के दृष्टिगत विभिन्न अरबीय युद्ध प्रभावित खाड़ी देशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार पूर्ण रूप से सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है तथा विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्राप्त निर्देशों के क्रम में जनपद रुद्रप्रयाग के किसी भी विकासखंड, तहसील अथवा ग्राम क्षेत्र से यदि कोई व्यक्ति रोजगार, व्यवसाय, शिक्षा या अन्य किसी उद्देश्य से उक्त प्रभावित खाड़ी देशों में रह रहा है अथवा किसी प्रकार की समस्या में फंसा हुआ है, तो उसकी सूचना जिला प्रशासन को उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि ऐसे नागरिकों की सुरक्षित और शीघ्र वापसी के लिए आवश्यक अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि यदि उनके परिवार का कोई सदस्य या परिचित व्यक्ति इन देशों में फंसा हुआ है, तो उसकी जानकारी नाम, पूरा पता, मोबाइल नंबर, पासपोर्ट नंबर एवं अन्य आवश्यक विवरण सहित निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों पर उपलब्ध कराएं।

जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वर्तमान में इजराइल, ईरान सहित अन्य खाड़ी देशों में युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए वहां निवास कर रहे उत्तराखंड के नागरिकों विशेषकर जनपद रुद्रप्रयाग के निवासियों की सुरक्षा के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि जनपद के किसी व्यक्ति के परिजन इन देशों में रह रहे है और उनके संबंध में यदि किसी को कोई जानकारी देनी हो या कुशलक्षेम जाननी हो, तो वे इसके लिए जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग के आपदा कंट्रोल रूम एवं जिला प्रशासन के जिला नियंत्रण कक्ष के माध्यम से भी हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर संपर्क कर लोग अपने परिजनों से संबंधित सूचना उपलब्ध करा सकते हैं तथा यदि किसी के परिजन युद्ध से प्रभावित देशों में फंसे हुए है तो उसकी जानकारी भी प्रशासन को दे सकते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार यह कंट्रोल रूम एवं हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे संचालित रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग की पूरी टीम इस संबंध में पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रशासन हर परिस्थिति में प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है।

कांग्रेस का 11 मार्च को जंतर मंतर में प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल रामरतन नेगी ने कहा कि पूर्व सैनिकों की मांगों को लेकर 11 मार्च को पूर्व सैनिक जतंर मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल रामरतन नेगी ने कहा कि देश के सभी पूर्व सैनिकों के सम्मान और अधिकार के लिए कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग ने अपने नेता राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में लड़ने का फैसला किया है। आज विकलांगता पेंशन, ईसीएचएस, भर्ती प्रक्रिया के ऊपर वार हुआ है, कल हमारी पेंशन के ऊपर भी वार हो सकता है। राहुल गांधी पूर्व सैनिकों अधिकारों के लिया आवाज उठाते आ रहे हैं, सभी को इस उनकी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हमारे महान राष्ट्र के सभी नागरिक सेना का सम्मान करते हैं और उसके प्रति संवेदनाशील हैं, हमेशा अपनी गैरवशाली सेना के साथ खड़े हैं, कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग सैनिक अधिकार व सम्मान बनाए रखने के लिए पूर्व सैनिकों के इस आंदोलन में भाग लेने के लिए आह्वान करता है। उत्तराखंड कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष कर्नल रामरतन नेगी की राज्य के सम्मानित नागरिकों व पूर्व सैनिक व पूर्व अधसैनिक , सभी सामाजिक संगठनों से इस आंदोलन का समर्थन और रैली में भाग लेने की अपील करते हैं कि डिसएबिलिटी पेंशन को पहले की तरह पूर्णत: टैक्स-फ्री किया जाए, यह पेंशनधारी की आय नहीं बल्कि उसके शारीरिक अशक्त में गुजाराभत्ता मात्र है। पेंडिंग बिलों का तुरंत भुगतान हो,इसके लिए सरकार यथाशीघ्र बजट उपलब्ध कराए।

पत्रकार वार्ता में कर्नल रामरतन नेगी, प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना, कै. गोपाल सिह गडिया, बलवीर सिंह रावत, कुशल सिंह राणा, बचन सिंह, दिनेश सिंह कौशल आदि उपस्थित थे।

नई टिहरी लेक फेस्टिवल में करियप्पा फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

हमारे संवाददाता

नई टिहरी। नई टिहरी में पडियार हाउस (नियर डाइजर) से बौराड़ी स्टेडियम तक जनरल के.एम. करियप्पा फुटबॉल टूर्नामेंट में प्रतिभाग करने वाली सभी 16 टीमों के खिलाड़ियों द्वारा भव्य मार्च पास्ट निकाला गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल द्वारा मार्च पास्ट का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में टिहरी नगर पालिका अध्यक्ष मोहन रावत भी उपस्थित रहे।

टिहरी झील महोत्सव 2026 के अंतर्गत बौराड़ी स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय जनरल के.एम. करियप्पा फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। इनमें ओल्ड स्टार टिहरी, टिहरी यंग, नॉर्थ कमांड, आईआईएमटी मेरठ, 13 गढ़वाल राइफल, 16 गढ़वाल राइफल, पिथौरागढ़ एफसी, हरियाणा सिटी एफसी, आरआरएफसी रुद्रप्रयाग, नोएडा एफसी, दून वारियर्स एफसी, यंग स्टार देहरादून, कोटद्वार एफसी, दिल्ली पुलिस, गढ़वाल हीरोज दिल्ली तथा सम्राट स्पोर्ट्स की

❑जिलाधिकारी ने किया मार्च पास्ट का शुभारंभ

टीमें शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने टूर्नामेंट में प्रतिभाग करने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि करियप्पा फुटबॉल टूर्नामेंट, जिसकी शुरुआत वर्ष 1951 में पुरानी टिहरी से हुई थी, अब प्रत्येक वर्ष नई टिहरी में भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि वे यहां के प्राकृतिक वातावरण का आनंद लें और अपने साथ टिहरी की यादगार स्मृतियां लेकर जाएं।

इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि टिहरी के पर्यटन और पहचान को आगे बढ़ाने में सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों से टिहरी झील एवं जनपद के अन्य दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सभी टीमों के खिलाड़ी तथा टीम प्रबंधक उपस्थित रहे।

आंखों की कम दृष्टि युवाओं के भविष्य पर पड़ रही भारी

नैनीताल(आरएनएस)। मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय बिताने की आदत युवाओं के भविष्य पर भारी पड़ती नजर आ रही है। जिले में इन दिनों चल रहे पुलिस आरक्षी भर्ती के स्वास्थ्य परीक्षण के परिणाम इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। परीक्षण में अनुत्तीर्ण होने वाले अधिकांश अभ्यर्थियों में कम दृष्टि की समस्या सामने आ रही है। गुरुवार को बीडी पांडे जिला अस्पताल में पुलिस आरक्षी भर्ती के अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

पुलिस लाइन के एसआई दामोदर कापड़ी ने बताया कि जिले में कुल 141 अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाना है। बीडी पांडे अस्पताल और हल्द्वानी के बेस अस्पताल में अब तक 7० अभ्यर्थियों का परीक्षण किया जा चुका है। गुरुवार को बीडी पांडे अस्पताल में 34 अभ्यर्थी स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहुंचे।

इस दौरान उनकी आंख, कान, हृदय सहित अन्य शारीरिक जांच की गई। परीक्षण में 27 अभ्यर्थी ही सफल हो सके, जबकि सात अभ्यर्थियों को आंखों की समस्या के कारण असफल होना पड़ा। उन्होंने बताया कि असफल अभ्यर्थियों को एक बार फिर परीक्षण के लिए मेडिकल बोर्ड के समक्ष भेजा जाएगा।

थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण से घटेगी मसूरी की दूरी

नई टिहरी(आरएनएस)। जौनपुर ब्लॉक के थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण नहीं होने से ब्लॉक मुख्यालय और आसपास क्षेत्र के लोगों को मसूरी आवाजाही करने के लिए सुवाखोली होकर 35 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।

थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण होने के बाद मसूरी के लिए ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ से 16 किलोमीटर दूरी कम हो जाएगी। ग्राम प्रधान संजय पडियाल, पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत, विनोद राणा, वीरेंद्र चंदेल, मनमोहन सजवाण, महेंद्र सजवाण ने कहा कि ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ जौनपुर का केंद्र बिंदु है। थत्यूड़ और आसपास क्षेत्र के लोग लंबे समय से थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण की मांग करते आ रहे हैं।

थत्यूड़ ब्लॉक मुख्यालय के लोगों को मसूरी जाने के लिए वाया सुवाखोली होते 35 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है जबकि थत्यूड़-मसराना सड़क बन जाती है तो थत्यूड़ से मसूरी की दूरी कम हो जाएगी। सड़क निर्माण के बाद जौनपुर क्षेत्र के पर्यटक स्थल देवलसारी और नागटिब्बा जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होगी। क्षेत्र के लोग मसूरी होते हुए देहरादून भी आसानी से पहुंच सकेंगे। समय और पैसे की बचत होगी। वहीं स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। उन्होंने शासन-प्रशासन से थत्यूड़-मसराना आठ किलोमीटर सड़क निर्माण करने की मांग की है।

सू- दोकू क्र.064

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.63 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

विद्यालयों में शिक्षक मिनिस्ट्रीयल कर्मियों का काम नहीं करेंगे

विकासनगर(आरएनएस)। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों से बाबू का काम कराए जाने को लेकर शिक्षा विभाग ने सख्त रवैया अख्तियार कर लिया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने सभी मुख्य शिक्षाधिकारियों के माध्यम से प्रधानाचार्यों को किसी भी शिक्षक से मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का कार्य नहीं कराए जाने का आदेश जारी किया है।

प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में मिनिस्ट्रीयल संवर्ग और प्रधानाचार्यों के पद रिक्त हैं। ऐसे में दोनों ही कार्य शिक्षकों के भरोसे हैं। इससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता है। मिनिस्ट्रीयल संवर्ग के कार्यों में सूचनाओं के आदान-प्रदान से लेकर शिक्षकों के वेतन का बिल बनाने तक शामिल हैं। शिक्षकों के वेतन के बिल बनाने में अधिकांश समय लग जाता है। इस बिल को खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय तक पहुंचाना भी संबंधित शिक्षक की ही जिम्मेदारी है। इसके साथ आए दिन कई सूचनाएं और डाक खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय समेत जिला शिक्षाधिकारी और मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय को भी पहुंचानी होती हैं। ऐसे में बाबू का काम कर रहे शिक्षक का अधिकांश समय कार्यालय के काम और कार्यालय की डाक को अन्य कार्यालयों तक पहुंचाने में व्यतीत हो जाता है। इससे शिक्षण प्रभावित होता है। छात्रों को हो रहे नुकसान को देखते हुए अब शिक्षा निदेशक ने किसी भी शिक्षक से मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का काम नहीं कराए जाने का आदेश जारी किया है।

कार्यालयों में भी संबद्ध हैं शिक्षक विद्यालयों में बाबू का काम करने के साथ कई शिक्षक खंड शिक्षाधिकारी से लेकर जिला शिक्षाधिकारी, मुख्य शिक्षाधिकारी और निदेशालय में तैनात हैं। संबद्ध शिक्षक इन कार्यालयों में भी मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का ही काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कई शिक्षकों ने अपनी सहूलियत के लिए खुद को कार्यालयों में संबद्ध कराया हुआ है। अब देखना यह है कि निदेशक के आदेश के बाद क्या ऐसे शिक्षकों का संबद्धीकरण निरस्त कर उन्हें विद्यालयों में वापस भेजा जाएगा।

विद्यालयों के बाबू कार्यालयों में संबद्ध विद्यालयों में तैनात कई बाबुओं (मिनिस्ट्रीयल कर्मियों) ने भी खुद को कार्यालयों में संबद्ध कराया हुआ है। खासकर दुर्गम श्रेणी के विद्यालयों में तैनात अधिकांश बाबू शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों में तैनात हैं। हालांकि, उनका वेतन मूल विद्यालयों से ही आहरित हो रहा है। बाबुओं के कार्यालयों में संबद्ध होने के कारण विद्यालयों में शिक्षकों को उनका काम करना पड़ रहा है।

आबादी वाले इलाके में पहुंचा गुलदार, पेड़ पर चढ़ा दिखा

नैनीताल(आरएनएस)। नगर के भरतपुर क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक गुलदार आबादी वाले इलाके में पहुंच गया। घरों के पास पेड़ पर चढ़े गुलदार को देखकर क्षेत्र में दहशत फैल गई। लोगों ने गुलदार की गतिविधि को अपने मोबाइल कैमरों में भी कैद कर लिया। जानकारी देते हुए नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर छह के सभासद दीपक आर्य ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब नौ बजे भरतपुर क्षेत्र में गुलदार आबादी वाले इलाके में दिखाई दिया। इस दौरान बाहर काम कर रहे लोगों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले भी गुलदार ने बाईपास निवासी गंगा देवी पर हमला कर उन्हें अपना शिकार बना लिया था। इसके बाद से ही क्षेत्र में गुलदार की दहशत बनी हुई है। पशुपालकों को अपने पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है, वहीं स्कूली बच्चे भी डर के माहौल में विद्यालय जाने को मजबूर हैं।

सभासद ने बताया कि मामले की सूचना वन विभाग को दे दी गई है और क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि आबादी वाले इलाके में गुलदार का बार-बार दिखाई देना गंभीर चिंता का विषय है। वहीं वन क्षेत्राधिकारी विजय मेलकानी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद टीम को क्षेत्र में गश्त के लिए भेज दिया गया है।

जड़वाला के पास बदहाल हुआ कालसी-चकराता मोटर मार्ग, हादसे का खतरा

विकासनगर(आरएनएस)। जनजातीय क्षेत्र जौनसार-बावर के मुख्य मार्ग कालसी-चकराता मोटर मार्ग पर जड़वाला के समीप सड़क बदहाल हो गई है। बीते वर्ष भारी बारिश के दौरान भूस्खलन के कारण मार्ग संकरा हो गया है। कई स्थानों पर सुरक्षा दीवारें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। इससे क्षेत्र में दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। कालसी-चकराता मोटर मार्ग जौनसार-बावर का प्रमुख संपर्क मार्ग है। इससे प्रतिदिन हजारों लोग आवाजाही करते हैं। मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सहिया-क्वानू मोटर मार्ग भी भूस्खलन के कारण सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त है। इस मार्ग से दर्जनों गांवों के लोग आवागमन करते हैं। सड़कों की दयनीय स्थिति के कारण इन पर सफर करना जोखिमभरा हो गया है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों के किसान मटर की नकदी फसल को मंडियों तक पहुंचा रहे हैं। जगह-जगह गड्ढे और क्षतिग्रस्त सड़क उनके लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग लंबे समय से सड़कों की मरम्मत की अनदेखी कर रहा है। बजट न होने का हवाला देकर काम टाल दिया जाता है।

लखवाड़ संपर्क मार्ग का लोनिवि ने डामरीकरण किया लेकिन क्षतिग्रस्त दीवार को नहीं बनाया। इससे दुर्घटनाओं का खतरा पैदा हो गया है। क्षेत्रवासियों ने क्षतिग्रस्त दीवार बनाने की मांग विभाग से की है। क्षेत्रवासी शूरवीर सिंह, आनंद सिंह, संदीप तोमर, चमन सिंह, राजेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, विजयपाल सिंह, करम सिंह व सुभाष आदि का कहना है कि लखवाड़ संपर्क मार्ग से होकर धनपौ, सावडा, जखनौग भिस्तौ, बान्सू, चुन्हौ, बागी व विहार आदि गांव के लोगों के साथ लखवाड़ स्थित महासू देवता मंदिर के लिए पर्यटक सफर करते है। विभाग ने लखवाड़ संपर्क मार्ग का डामरीकरण तो कर दिया लेकिन क्षतिग्रस्त दीवारों को नहीं बनाया। इससे मार्ग पर हादसों का खतरा बन गया है। उन्होंने विभाग से शीघ्र क्षतिग्रस्त दीवार की मरम्मत करने की मांग की है।

बलियानाला कार्य के दौरान मजदूर घायल

नैनीताल(आरएनएस)। बलियानाला क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान देहरादून निवासी संजय गुरुवार को घायल हो गया। उसे बीडी पांडे अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर अनिरुद्ध गंगोला ने बताया कि मजदूर के सिर पर गंभीर चोट आई थी। उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

ऋषिनगरी में अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव की तैयारियां शुरू

ऋषिकेश(आरएनएस)। ऋषिकेश में अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

नौ मार्च से परमार्थ निकेतन में होने वाले योग महोत्सव के लिए योग शिक्षक, प्रस्तुतकर्ता और प्रतिभागी पहुंचने लगे हैं। इसमें 8० देशों के करीब एक हजार विदेशी साधक पहुंचेंगे। उधर,जीएमवीएन गंगा रिजॉर्ट में 16 मार्च से सात दिवसीय इंटरनेशनल योग महोत्सव आयोजित किया जाएगा। परमार्थ निकेतन इन दिनों योग, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा के अद्भुत रंगों से सराबोर है।

नौ मार्च से शुरू होने जा रहे योग महोत्सव से पूर्व ही यहां का वातावरण योगमय हो उठा है। दुनिया के विभिन्न देशों से आये योग साधक और आध्यात्मिक जिज्ञासु मां गंगा के पावन तट पर योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और दिव्य गंगा आरती में भाग लेकर एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की विधि नहीं बल्कि जीवन को संतुलित और सामंजस्यपूर्ण बनाने का मार्ग है। योग महोत्सव के लिए आश्रम में तैयारियां तेजी से चल रही हैं। विश्व के प्रमुख योगाचार्य, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और योग साधक इस महोत्सव में सहभाग करने के लिए पहुंच रहे हैं। यह महोत्सव योग, ध्यान, आयुर्वेद, आध्यात्मिक संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व को भारतीय योग परम्परा की गहराई का अनुभव कराएगा। उधर, गढ़वाल मंडल विकास निगम गेस्ट हॉऊस गंगा रिजॉर्ट में इस बार 16 मार्च से सात दिवसीय योग महोत्सव आयोजित होगा। इन दिनों महोत्सव की तैयारियां तेजी से की जा रही है। गंगा रिजॉर्ट के वरिष्ठ प्रबंधक जीआर ढौड़ियाल ने बताया कि 16 मार्च से शुरू होने जा रहे योग महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बड़ी संख्या में योग साधकों के महोत्सव में पहुंचने की उम्मीद है। महोत्सव के लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिया गया है।

टिहरी लेक फेस्टिवल: राष्ट्रीय खेलों की तरह ही इस आयोजन से भी पर्यावरण का ठोस संदेश

संवाददाता

देहरादून। टिहरी लेक फेस्टिवल में राष्ट्रीय खेलों की ही तरह इस आयोजन की थीम के साथ भी पर्यावरण को जोड़ा गया है। आज यहां पर्यटन के मेले में पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रभावी ढंग से गूंज रहा है। राष्ट्रीय खेलों की ही तरह इस आयोजन की थीम के साथ भी पर्यावरण को जोड़ा गया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जबकि टिहरी लेक फेस्टिवल के साथ पर्यावरण का संदेश भी आगे बढ़ रहा है। इस फेस्टिवल का इस बार जो पूरा नाम उभरकर सामने आया है, वो हिमालयन ओ टू टिहरी लेक फेस्टिवल है। इस फेस्टिवल के नाम के साथ हिमालयन ओटू जोड़ दिए जाने के बाद पर्यावरण की चर्चा भी हो रही है। टिहरी डीएम नितिका खंडेलवाल के अनुसार-इस आयोजन की रूपरेखा तैयार करते वक्त यह विचार सामने आया कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी फैले। इसी क्रम में इसके नाम के साथ हिमालय ओ टू को भी जोड़ दिया गया। दरअसल, राज्य सरकार अपने हर बडे आयोजन के साथ पर्यावरण के संदेश को अनिवार्य रूप से जोड़ कर आगे बढ़ रही है। वर्ष 2025 में हुए राष्ट्रीय खेलों की थीम पर्यावरण पर आधारित रही थी। देश भर में राज्य सरकार की इस पहल की काफी चर्चा हुई थी, जिसमें हरित वन स्थापित करने से लेकर खिलाड़ियों को दिए जाने वाले मेडल और अन्य गतिविधियों में पर्यावरण संरक्षण का खास ख्याल रखा गया था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पर्यावरण को लेकर देश-दुनिया में जो चिंता है, उसमें जरूरी है कि हम जागरुकता पर लगातार काम करे। उत्तराखंड से सभी की बहुत ज्यादा अपेक्षाएं हैं। राज्य सरकार भी इस संबंध में अपनी जिम्मेदारी को महसूस करती है। इसलिए बड़े आयोजनों के साथ पर्यावरण की थीम को जोड़ा जा रहा है।

हत्या के प्रयास मामले मे फरार आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से घटना मे प्रयुक्त तमंचा व खोखा कारतूस बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 5 मार्च को अमन कुमार निवासी ग्राम नन्हेडा अनन्तपुर द्वारा कोतवाली भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि होली की मध्यरात्री में दीपू उर्फ विश्वजीत पुत्र राजेश उर्फ पाटिल निवासी ग्राम नन्हेडा अनन्तपुर द्वारा उनके भाई मोहित के उपर जान से मारने की नियत से तमंचे से फायर किया गया है जिससे उनका भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया है व उसका उपचार हायर सेंटर देहरादून में चल रहा है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरापी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बार आरोपी विश्वजीत उर्फ दीपू पुत्र राजेश हाल निवासी ग्राम नन्हेडा अनन्तपुर संतसंग भवन थाना भगवानपुर जिला हरिद्वार को घटना में प्रयुक्त तमंचा 315 बोर मय खोखा कारतूस के साथ प्रेमराजपुर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

24 साल पुराने पत्रकार हत्याकांड मामले में गुरमीत राम रहीम बरी!

चंडीगढ़ (कासं)। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को बड़ी राहत मिली है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने इस मामले में दायर अपील को स्वीकार करते हुए उसे बरी कर दिया है। कोर्ट का यह फैसला सीबीआई के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इस फैसले के बाद भी राम रहीम अभी जेल में ही रहेगा। क्योंकि ये राहत उसे सिर्फ एक केस में मिली है। जबकि वो और भी मामलों में सजा काट रहा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में तीन लोग कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने सात साल पहले राम रहीम को सजा सुनाई थी। आरोपियों ने सीबीआई की अदालत के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, इसके बाद ही हाईकोर्ट ने ये फैसला दिया। हाई कोर्ट ने इस मामले में डेरा प्रमुख के खिलाफ पर्याप्त सबूत न होने के आधार पर बरी करने का आदेश दिया है। मामला पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या से जुड़ा हुआ है, जिसने अपने समय में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। छत्रपति ने अपने अखबार में डेरा से जुड़े कुछ गंभीर आरोपों को प्रकाशित किया था, जिसके बाद वर्ष 2002 में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में व्यापक प्रतिक्रिया हुई थी और मामले की जांच बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई थी।

चारधाम यात्रा 2026: हेली शटल सेवा के टेंडर अंतिम दौर में, जल्द शुरू होंगी सुविधाएँ

संवाददाता

देहरादून। अप्रैल माह से प्रारंभ होने जा रही चारधाम यात्रा 2026 से पूर्व हेली शटल सेवाओं को लेकर उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) की टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

आगामी अप्रैल माह से प्रारंभ होने जा रही चारधाम यात्रा 2026 से पूर्व हेली शटल सेवाओं को लेकर उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) की टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगभग 8 से 9 हेली कंपनियां अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी। यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाओं की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के सहयोग से संचालित की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को पारदर्शी और सुगम बुकिंग सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। 19 अप्रैल से प्रारंभ हो रही चारधाम यात्रा को देखते हुए हेली सेवाओं के टिकटों की बुकिंग केवल आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही ऑनलाइन की जाएगी। इसका उद्देश्य फर्जी एजेंटों और कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाना तथा श्रद्धालुओं को पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से टिकट उपलब्ध कराना है।

चारधाम यात्रा 2026 के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ सहित बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। अन्य राज्यों से आने वाले बुजुर्गों और दिव्यांग श्रद्धालुओं को हेली सेवाओं के माध्यम से बेहतर सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। यात्रियों के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या कालाबाजारी की घटनाओं को रोकने के लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने अपने स्तर पर एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है, जो यात्रा के दौरान बुकिंग से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए तत्पर रहेगा। यूकाडा के सीईओ डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि हेली शटल सेवाओं को लेकर टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष चारधाम यात्रा के दौरान लगभग 8 से 9 कंपनियां हेली शटल सेवाएं प्रदान करेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि हेली टिकटों की बुकिंग आईआरसीटीसी के सहयोग से संचालित आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। यात्री हेलीकॉप्टर सेवा के लिए ीमसपलंजतं. पतबजब.बव.पद वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं। डॉ. चौहान ने बताया कि टिकट बुकिंग से संबंधित किसी भी समस्या या शिकायत के समाधान के लिए यूकाडा का कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा। इसके अलावा, हेली सेवा से यात्रा करने वाले यात्री अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए आईआरसीटीसी के कस्टमर केयर से भी सीधे संपर्क कर सकते हैं।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, चार बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। दुपहिया वाहन चोरी मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी चार बाइक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एक सूचना के आधार पर कोतवाली रूद्रपुर पुलिस द्वारा वाहन चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।

बताया जा रहा है कि बीते रोज स्थानीय जनता द्वारा एक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो संदिग्ध व्यक्तियों

को पकड़कर कोतवाली रुद्रपुर पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनसे पूछताछ शुरू कर दी गयी। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिलें चोरी की गई हैं तथा कुछ मोटरसाइकिलें जनपद रामपुर (उत्तर प्रदेश) के थाना बिलासपुर क्षेत्र में छिपाकर रखी गई हैं। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर थाना बिलासपुर, जनपद रामपुर (उ.प्र.) के पैगम्बरपुर क्षेत्र में दबिश देकर 3 अतिरिक्त चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इस प्रकार पुलिस द्वारा चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद कर वाहन चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा किया गया। गिरफ्तार चोरों के नाम महेंद्र सैनी पुत्र मुंशी लाल निवासी पैगम्बरपुर, थाना बिलासपुर, जिला रामपुर (उ.प्र.) व शाहिल पुत्र छोटे निवासी टांडा हरमतनगर, थाना बिलासपुर, जिला रामपुर (उ.प्र.) बताये जा रहे है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कांग्रेसजनों ने भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसजनों ने भारत रत्न स्वतंत्रता स`नानी पंडित गोविन्द बल्लभ पंत को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धपूर्वक स्मरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यलय में कांग्रेसजनों ने भारत रत्न, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. गोविन्द बल्लभ पंत की पुण्य तिथि के अवसर पर उनका श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेन्द्र भण्डारी ने पं. गोविन्द बल्लभ पन्त जी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पं. गोविन्द बल्लभ पन्त अद्वितीय प्रतिभा के धनी और साहसी पुरूष थे। स्वतंत्रता संग्राम में उनका अविस्मरणीय योगदान तथा साइमन कमीशन के विरोध में उनकी भूमिका इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। केन्द्रीय गृह मंत्री तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए उहोंने विकास की मजबूत नींव रखी। उनका पूरा जीवन नि:स्वार्थ जनसेवा को समर्पित

रहा है। स्व. पन्त ने भारतीय राजनीति में अपनी अमिट छाप छोड़ी और उनकी योग्यता, प्रशासनिक क्षमता तथा स्वतंत्रता आन्दोलन में अद्वितीय योगदान को देखते हुए उन्हें भारत रत्न के अलंकार से सम्मानित किया गया। 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक में कुमाऊं परिषद के माध्यम से सामाजिक और राजनैतिक जीवन में पं. गोविन्द बल्लभ पन्त ने अपनी शुरूआत की। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों में फैली भीषण गरीबी, कुली बेगार प्रथा तथा सामाजिक बुराइयों के कारण प्रताड़ित हो रहे कमजोर तबकों की पीड़ा को गहराई से महसूस किया और कालान्तर में उसके लिए उन्होंने अनेक संघर्ष किये। भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पन्त ने आजादी के बाद 20 साल उत्तर प्रदेश और भारत की राजनीति में केन्द्रीय भूमिका निभाते हुए मुख्यमंत्री और देश के गृह मंत्री जैसे पदों को सुशोभित किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र भण्डारी, राजेन्द्र शाह, नवीन जोशी, प्रवक्ता सुजाता पॉल, पूर्व मंत्री अजय सिंह, प्रवक्ता गिरिराज हिन्दवान, देवेन्द्र सिंह, दिनेश कौशल, लड्डू भाई, आमेन्द्र सिह बिष्ट, ब्लाक अध्यक्ष रितेश जोशी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष प्रशान्त खण्डूरी, अनुराधा तिवाडी, सतेन्द्र पंवार, शिवाशु जयसवाल आदि उपस्थित थे।

भाजपा विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के लिए तैयारी में जुटी

'सीक्रेट' मीटिंग और 'शक्ति' प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव का अभी बिगुल नहीं बजा है, लेकिन चुनावी साल में अगर समय से पहले तैयारी से 'राह' आसान होगी। भाजपा विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के लिए अभी से तैयारी में जुट गई है। इसी को देखते हुए भाजपा 'सीक्रेट' मीटिंग के साथ अपने बडेघ् नेता के सामने 'शक्ति' प्रदर्शन कर रही है।

प्रदेश में आगामी साल में विधानसभा चुनाव होने हैं और इसके लिए भाजपा अभी से मैदान में कूद गई है। आज केंद्रीय मंत्री अमित शाह हरिद्वार में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे और पार्टी के नाराज कार्यकर्ताओं सहित सूबे के बडेघ् भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके लिए प्रदेश भाजपा कई दिनों से तैयारी कर रही थी। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में कई दौर की 'गुप्त' बैठकों में कई विषयों पर चर्चा की गई।

बता दें कि मंत्रीमंडल विस्तार, दायित्वधारियों का मामला, पार्टी से नाराज चल रहे कार्यकर्ताओं को लेकर आज

- बैठक में कैबिनेट विस्तार को लेकर हो सकती है चर्चा
- दायित्व बंटवारे को लेकर भी हो सकती है फाइनल बात
- हरिद्वार के बहाने भाजपा करना चाहती है शक्ति प्रदर्शन

हरिद्वार बना राजनीति का गढ़

केंद्रीय मंत्री अमित शाह का हरिद्वार दौरा प्रदेश भाजपा के लिए एक मौका है उनके सामने अपनी शक्ति दिखाने का। इसके लिए हरिद्वार एक सप्ताह से राजनीति का गढ़ बना हुआ है। संगठन, सरकार और प्रशानिक तैयारियां यहां साफ देखी जा सकती है। भाजपा के दावों की बात करें तो कार्यक्रम में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम लोग शामिल होंगे। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस आयोजन में करीब डेढ़ लाख लोग शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस जनसभा को भाजपा के लिए शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है। हरिद्वार की गुप्त बैठक के बाद फैसला होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार केंद्रीय अमित शाह जहां कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे, वहीं हरिद्वार में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जनसभा को सफल बनाने के लिए भाजपा ने पूरा जोर लगा रखा है। देहरादून-हरिद्वार-रूड़की से लेकर सभी जिलों से भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को भारी संख्या में हरिद्वार पहुंचने के लिए कहा गया है। इससे साफ जाहिर है कि हरिद्वार में जनसभा के बहाने भाजपा केंद्रीय मंत्री अमित शाह के सामने शक्ति प्रदर्शन करना चाहती हैं।

चुनाव की रणनीति होगी तैयारः महेंद्र

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि हरिद्वार में 'टोली बैठक' आयोजन किया जाएगा, जिसमें कोर ग्रुप के 14 अलावा सदस्यों के अलावा 9 और सदस्यों को शामिल किया गया है। इस तरह से इस टोली बैठक में कुल 24 बड़े नेता शामिल होंगे। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कोर ग्रुप के साथ कुछ और लोगों को जोड़ा गया है, इसे टोली बैठक नाम दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ कुल 24 लोगों की यह बैठक होगी। बैठक में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। इसके साथ ही चुनाव की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा प्रदेश में दायित्व बंटवारे और कैबिनेट विस्तार को लेकर भी इस बैठक में चर्चा की जा सकती है।

महिला पर्यटक से दुष्कर्म के प्रयास का आरोपी टैक्सी चालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। महिला पर्यटक के साथ दुष्कर्म का प्रयास और लूट के मामले का मात्र कुछ घंटो मे ही खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी टैक्सी चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मजूंनाथ टी.सी. ने बताया कि 5 मार्च 2026 को एक महिला पर्यटक दिल्ली से देहरादून होते हुए बस से हल्द्वानी पहुँची। वहां से वह ऑटो द्वारा काठगोदाम आई और नैनीताल जाने के लिए एक टैक्सी किराये पर ली। बताया जा रहा है कि रात्रि करीब 1:30 बजे वल्दियाखान के पास टैक्सी चालक ने वाहन को नैनीताल ले जाने के बजाय पटवाडांगर की सुनसान सड़क की ओर मोड़ दिया। विरोध करने पर चालक ने महिला के साथ मारपीट की, दुष्कर्म का प्रयास किया और उसका मोबाइल फोन लूट लिया ताकि वह किसी को सूचना न दे सके। 6 मार्च की सुबह स्थानीय लोगों की मदद से पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची, घटनास्थल को सुरक्षित कर फॉरेंसिक टीम से जांच कराई और साक्ष्य एकत्र किए। पीड़िता की तहरीर पर तल्लीताल थाना में मुकदमा कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टी.सी. के निर्देश पर डॉ. जगदीश चंद्र (एसपी सिटी) के नेतृत्व में टीम गठित की गई। मनोज सिंह नयाल (थानाध्यक्ष तल्लीताल) के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, वाहन (वैगनआर) और जीपीएस की मदद से जांच कर आरोपी को भवाली रोड स्थित पाइन्स क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक सिंह बोरा (39 वर्ष) पुत्र नंदन सिंह बोरा निवासी गुजरौड़ा फतेहपुर थाना मुखानी, नैनीताल के रूप में हुई है।

केन्द्रीय गृहमंत्री को काले झड़े दिखाने जा रहे कांग्रेसी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यों में शिरकत करने हरिद्वार पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ जिला महानगर कांग्रेस कमेटी न विरोध प्रदर्शन कर काले झण्डे दिखाने का प्रयास किया। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तुलसी चौक पर ही गिरफ्तार कर लिया।

विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमन गर्ग व स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि देश की संप्रभुता पर अमेरिका द्वारा लगातार हमला किया जा रहा है। बावजूद इसके सरकार क्यों चुप हैं, आखिर कब तक भारत को अमेरिका चलाने का काम करेगा? अमित शाह को इस बात को स्पष्ट करना चाहिए।

उन्होंने सवाल करते हुए कहाकि अंकिता भण्डारी हत्याकांड के वीआईपी

की गिरफ्तारी कब तक होगी तथा उनकी पार्टी की सरकार द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का अपमान क्यों किया जा रहा है।

वरिष्ठ नेता महेश प्रताप राणा और महानगर कांग्रेस महासचिव राजीव भार्गव ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की रैली में सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया गया है। प्राइवेट कर्मचारियों को प्रताडित कर जबरन रैली में लाया गया है, जबकि आमजन ने रैली से दूरी बनायी है।

विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्षद हिमांशु गुप्ता और पार्षद सोहित सेठी ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की रैली को सफल बनाने के लिए आंगनबाड़ी, आशा कार्यकत्रियों को भीड़ एकत्रित करने में लगाया गया है, जिससे साफ है उत्तराखंड की जनता भाजपा सरकार को 2027 में उखाड़ फेंकने का काम करेगी।

सत्राविधि को लेकर कांग्रेसी आरोप, राजनीतिक पाखंडः भाजपा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने सत्र की अवधि को लेकर कांग्रेसी आरोपों को झूठ, भ्रम आधारित राजनीतिक पाखंड बताया है। पार्टी के वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली ने कहा, कांग्रेस सरकारों में भाजपा, जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाता था तो सदन भी सकारात्मक रूप से चलता था। लेकिन अब विपक्ष, 9 साल से हंगामे, बायकॉट के नकारात्मक एजेंडे पर काम कर रहा है, लिहाजा उनके लिए समय की कोई अहमियत नहीं है। उसपर स्वयं मुख्यमंत्री भी कह चुके हैं कि जरूरत हुई तो अवधि बढ़ाई जा सकती है।

मीडिया के सवालों के जवाब देते हुए चमोली ने कहा सत्र की अवधि सदन के कामकाज की दृष्टि से कार्य मंत्रणा समिति द्वारा निर्धारित की जाती है। जिसमें विपक्ष के विधायक भी शामिल होते हैं और जो भी बिजनेस सत्र को लेकर उचित समझा जाता है उसके अनुसार ही निर्णय लिया जाता है। ऐसे में कांग्रेस के नेताओं विधायकों द्वारा बार-बार सत्र की समय अवधि को लेकर झूठ और भ्रम फैलाना उनकी नकारात्मक राजनीति का हिस्सा है। क्योंकि प्रदेश की जनता भी गवाह है कि विगत 9 वर्षों में कभी भी कांग्रेस पार्टी या अन्य दलों द्वारा जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका नहीं निभाई गई। उनका पूरा ध्यान सदन में हंगामा करने और मीडिया की सुर्खियां बनने में लगा रहा। पिछले गैरसैण सत्र में तो विपक्ष के विधायक जनता के मुद्दे उठाने

के बजाय सदन में सोते हुए नजर आए।

उन्होंने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अधिक दिनों तक सदन चलने के सवाल पर आईना दिखाया कि उस समय भाजपा ने जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका का निर्वहन किया था। जिसके चलते ही हम सदन में जनमुद्दों को उठाने और तत्कालीन सरकार के कारनामों को उजागर करने में सर्वाधिक सफल हुए। तब भाजपा के सकारात्मक रुख के कारण ही सत्र की अवधि अधिक हुई। जिसका ही नतीजा रहा कि प्रदेश की जनता ने हमें 2017 में सकारात्मक विपक्ष से सरकार की भूमिका में स्थापित किया। अब चूंकि विपक्ष तब से लेकर लगातार हंगामा करने, सदन बाधित करने और सदन के बायकाट करने की रणनीति पर ही काम कर रहा है। तो जनता भी लगातार उनको चुनाव में हराकर, सदन से बाहर ही रखने का निर्णय ले रही है। लिहाजा विपक्ष को सदन में जनता के मुद्दों को उठाने, सकारात्मक चर्चा में सहयोग करने और अपनी नकारात्मक रणनीति पर विचार करना चाहिए। क्योंकि प्रदेश की जनता उनके ऐसे राजनीतिक पाखंड को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करने वाली है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।